

Resolution & Plan of Action

About 1600 media professionals, academicians and media owners from all over India and Nepal participated in a 4-day National Media Conference & Exhibition – 2008 on "Spiritual Values in Social Commitment of Media" organised by Media Wing of the Brahma Kumaris institution's Rajyoga Education & Research Foundation at its Shantivan Complex, Abu Road, Rajasthan from September, 20 to 23 September, 2008.

The participants delineated on core issues such as mass media as an effective change agent; decline of social concerns of media and sensitivity in media for the underdog. Need for spiritualism, self-regulation and social commitment for holistic and sustainable development were also discussed.

Six joint sessions, six group dialogues and six experiential sessions on spiritual insights, stress management and rajyoga meditation were held during the conference. The media delegates arrived at the following points and drew a plan of action as under :

1. **Mediapersons, including the owners, will endeavour to strike the right balance between their commercial pursuits and social commitment for the ultimate well being of common masses.**
2. **For holistic and sustainable development and to end cultural pollution of society, they will re-orient their focus from commercial to spiritual values, in keeping with India's ancient wisdom, values, ethos, culture and outlook on life through the cultivation of spiritual wisdom, rajyoga meditation, simple living and positive thinking.**
3. **They will work for the promotion and spread of a culture and climate of peace, love, brotherhood, non-violence, truth, transparency, unity, integrity, harmony and happiness by undergoing a process of spiritual self development.**
4. **As part of their social responsibility and for the sake of their own conscience and credibility, they will inculcate among themselves the spirit of self-introspection, self-analysis, self-audit, self-discipline and self-regulation in discharge of their duties in a free and fair manner without fear or favour, bias or prejudice.**
5. **While increasingly employing the latest scientific and technological innovations they will keep a humane face and will not compromise on the basic human rights, values, sense of justice, dignity, decency, decorum, civility, and good of masses. They will also work for ecological and environmental balance, health, hygiene and protection.**
6. **To counter and curtail the misuse, especially of electronic and cyber media from displaying and projecting obscenity, vulgarity, violence and bad content they will work in a sustained manner towards formation of a 'Media Council' having overriding regulatory functions and powers than the 'Press Council of India'.**
7. **They will extend support to good professionals and organizations like "Society of Media Initiative for Values"; "Global Forum for Public Relations" etc. in sharing, inspiring and infusing moral, ethical and spiritual values among fellow journalists and media professionals.**
8. **They will work to enhance media coverage of developmental issues and problems and ignore trivial and frivolous issues like fashion, fad, glamour, glitter, celebrity and gossips. They will try to put media focus on issues of socio-economic, political, spiritual, cultural and information policy. They will also support both govt and private initiatives for upliftment of oppressed, neglected and disprivileged sections of society, both in rural and urban areas.**

pdfMachine

A pdf writer that produces quality PDF files with ease!

Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, simply open the document you want to convert, click "print", select the "Broadgun pdfMachine printer" and that's it! Get yours now!

प्रस्ताव एवं कार्ययोजना

ब्रह्माकुमारीज राजयोगा एज्युकेशन एण्ड रिसर्च फाउंडेशन के मीडिया प्रभाग द्वारा आबू रोड स्थित शांतिवन परिसर में मीडिया की 'सामाजिक प्रतिबद्धता के लिए आध्यात्मिक मूल्य' विषय पर आयोजित 4 दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन एवं प्रदर्शनी में भारत तथा नेपाल से आये लगभग 1600 मीडिया कर्मी, शिक्षा विंद और मीडिया स्वामियोंने भाग लिया। यह आयोजन 20 से 23 सितंबर तक किया गया।

प्रतिभागियो ने, मीडिया बदलाव का एक प्रभावी माध्यम, मीडिया में सामाजिक सरोकारो की गिरावट, मीडिया में दबे-कुचले लोगो के प्रति संवेदनशीलता, आध्यात्मिकता की आवश्यकता, स्वनियंत्रण एवं सर्वांगीण निरंतर विकास के लिए सामाजिक प्रतिबद्धता जैसे बुनियादी मुद्दो पर विस्तार से चर्चा कि गई और इन मुद्दो को एक नई दृष्टी दि गई।

इस महासम्मेलन में 6 संयुक्त सत्र, 6 समूह संवाद और आध्यात्मिक आत्मावलोकन, तनाव प्रबंधन और राजयोग ध्यान के 6 प्रायोगिक सत्र आयोजित किये गये। इस महासम्मेलन में आये हुए मीडिया प्रतिभागियों के द्वारा निम्न बिंदुओं की कार्ययोजना के प्रारूप तैयार किया गया।

1. आम लोगो के कल्याण एवं बेहतर जीवन के अंतिम उद्देश की पूर्ती के लिए मीडिया कर्मी तथा मीडिया स्वामी उनके वाणिज्यक हित और समाज हित के बीच सही संतुलन बनाए रखने का निष्ठा से प्रयास करेंगे।
2. वे सर्वांगीण और निरंतर विकास को सुनिश्चित करने के लिए तथा समाज में सांस्कृतिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए वाणिज्य एवं व्यापार हित केंद्रीत उनकी वर्तमान सोच को नई दिशा देंगे और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति स्वयं को केंद्रीत करेंगे। इसके लिए वे भारत के पुरातन ज्ञान, मूल्य, संस्कृति, सामाजिकता और जीवन के दृष्टीकोण को अपनायेंगे जिसका आधार हमारे आध्यात्म, राजयोग ध्यान, सरल जीवन शैली और सकारात्मक सोच द्वारा आध्यात्मिक सशक्तिकरण में निहित हैं।
3. वे समाज में शांति, प्यार, भाईचारा, अहिंसा, सच्चाई, पारदर्शीता, एकता, अखंडता, सौहार्द्रता सुख एवं संतोष से भरपूर संस्कृति और वातावरण का विस्तार करने के लिए आध्यात्मिक विकास प्रक्रिया के प्रयोग मे प्रयासरत रहेंगे।
4. अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निर्वहन में स्वयं की नैतिकता एवं विश्वसनीयता का परिचय देंगे। इसके लिए वे आत्मावलोकन, स्वविश्लेषण, स्वपरीक्षण, स्व-अनुशासन और स्व-नियंत्रण की भावना को प्रोत्साहित करेंगे जिससे वे अपने व्यवसाय को स्वतंत्रता और स्वच्छता के साथ बिना भय या पक्षपात राग या द्वेष के सम्पन्न कर पायेंगे।
5. आधुनिक, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी नवाचार का भरपूर प्रयोग करते हुए वे मानवीय चेहरे की उपेक्षा नहीं करेंगे और बुनियादी मानव अधिकार, न्याय का बोध, गरिमा, भद्रता, मान-सम्मान, सामाजिकता और लोकहित के साथ समझौता नहीं करेंगे। वे शीतोष्ण स्थिति, पर्यावरणीय संतुलन, स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के भी प्रयास करेंगे।
6. मीडिया, विशेषकर ईलेक्ट्रॉनिक और सायबर मीडिया में अश्लीलता, नग्नता, हिंसा और अनैतिक विषयवस्तु के प्रदर्शन एवं प्रसार में मीडिया दुरुपयोग को नियंत्रित करने और उसका विरोध करने के लिए वे मीडिया कौंसिल के गठन के प्रति निरंतर प्रयासरत रहेंगे, जो प्रेस कौंसिल ऑफ इंडिया की तुलना में अधिक सशक्तशाली, नियंत्रात्मक और अधिकार संपन्न होगा।
7. साथी पत्रकारों और मीडिया प्रोफेशनल्स के बीच मीडिया सम्बंधी विचारो का आदान-प्रदान, प्रेरणा, और नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रोत्साहन और विस्तार में इस क्षेत्र में कार्यरत मुल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति, ग्लोबल फोरम फॉर पब्लिक रिलेशन्स जैसे अच्छे प्रोफेशनल संगठनों को भरपूर समर्थन देंगे।
8. वे मीडिया कवरेज में विकास सम्बंधी मुद्दो, जन सरोकारों और समस्याओं को अधिक स्थान देंगे, और अर्थहीन और छिछोरें मुद्दे जैसे फेशन, ग्लेमर, चमकदमक, सेलीब्रिटी, और गॉसिप की यथासम्भव उपेक्षा करेंगे। वे मीडिया कर्म को सामाजिक, आर्थिकी, आध्यात्मिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक और सूचना परक मुद्दो पर केंद्रित करेंगे, तथा दबे-कुचले लोग, उपेक्षित लोग, और ग्रामीण और शहरी समाज के अन्य वंचित वर्गों के उत्थान के लिए शासन और निजी क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासो को समर्थन देंगे।